अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय

चर्चा में क्यों?

हाल ही में राज्यपाल ने अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा के कुलगुरू के पद पर **डॉ. राजेंद्र कुमार कुड़रिया** को नियुक्त किया।

मुख्य बिंदु

- **राजेंद्र कुमार कुड़रिया**: शासकीय विज्ञान महाविद्यालय, जबलपुर के भौतिक शास्त्र के प्राध्यापक हैं। उनका कार्यकाल, पद धारण करने की तिथि **से 4 वर्ष अथवा 70 वर्ष की** आयु जो भी पहले हो, के लिये रहेगा।
- **अवधेश प्रताप सिंहविश्वविद्यालय:** इसका नाम **स्वतंत्रता सेनानी कैप्टन अवधेश प्रताप सिंह** के नाम पर रखा गया है।
  - विश्वविद्यालय की **स्थापना 20 जुलाई, 1968** को रीवा में हुई थी और इसे फरवरी **1972 में** विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) से मान्यता मिली थी।
- **कैप्टन अवधेश प्रताप सिंह:** भारत के एक राजनेता एवं भारतीय स्वतंत्रता सेनानी थे। स्वतंत्रता के बाद वर्ष 1948 में विंध्य प्रदेश **की स्थापना पर, उन्होंने (1948 से 1949 तक) पहले मुख्यमंत्री** के रूप में नेतृत्व किया और बाद में वह संविधान सभा के सदस्य मनोनीत किये गए।

रीवा ज़िला

- उत्तर प्रदेश सीमा (इलाहाबाद) से सटा यह ज़िला मध्य प्रदेश के विंध्य पठार के एक हिस्से में बसा हुआ है और टोंस एवं उसकी सहायक नदियों द्वारा सिंचित है।
- रीवा मूल रूप से गोंड,कोल आदिवासियों का निवास स्थान रहा है।
- रीवा ज़िले में बघेली **एक प्रमुख भाषा** है।
- पुरवा जलप्रपात रीवा जिले में प्रवाहित टोंस या तमस नदी पर स्थित एक 70 मीटर ऊँचा झरना है और इसकी सहायक नदी**(बीहड़ नदी)** पर चचाई जलप्रपात स्थित है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/awadhesh-pratap-singh-university